

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 'हिन्दी सप्ताह-2018'

का आयोजन

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 'हिन्दी सप्ताह' (14 से 20 सितंबर, 2018) का आयोजन किया गया। दिनांक 14/09/2018 को 'हिन्दी दिवस' पर हिन्दी सप्ताह-2018 का समारंभ हुआ। संस्थान के हिन्दी अधिकारी श्री कैलाश चन्द गुप्ता ने माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार का संदेश पढ़ा तथा राजभाषा विभाग के जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप हिन्दी दिवस/पखवाड़ा/सप्ताह मनाये जाने का प्रयोजन बताया व हिन्दी सप्ताह के दौरान की गतिविधियों के संबंध में अवगत कराया। इस अवसर पर राजभाषा हिन्दी पर विचार अभिव्यक्ति सह संगोष्ठी कार्यक्रम रखा गया जिसमें संस्थान कर्मियों ने उत्साह से भाग लिया। डॉ. सरिता आर्य, वैज्ञानिक-जी, डॉ. तरुण कान्त, वैज्ञानिक-एफ, श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीशियन, श्रीमती दीपिका लोढ़ा, तकनीशियन, श्री अजय वशिष्ठ, क.हिन्दी अनुवादक ने राजभाषा हिन्दी पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में राजभाषा हिन्दी पर दो लघु वृत्त चित्र भी दिखाए गए।



'हिन्दी दिवस' आयोजन पर मंचासीन पदाधिकारीगण

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन के लिए प्रकाशित होने वाली सामग्री का जहां तक संभव हो

वैज्ञानिक शोध एवं निष्कर्ष मूलतः हिन्दी में स्वप्रेरणा से लिखा जाना आवश्यक है। हिन्दी पत्र पत्रिकाओं में विज्ञान में मौलिक लेखन अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है इस दिशा में वैज्ञानिकों को पहल करने की आवश्यकता है।

संस्थान निदेशक डॉ. इन्द्र देव आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा वर्तमान में की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की अपनी एक अलग पहचान है कई राष्ट्रों में हिन्दी शिक्षण हो रहा है। भाषा की महत्ता पर आपने कहा कि भारत बहुभाषी है यहाँ विभिन्न प्रदेशों में अनेक मातृभाषाएँ बोली जाती हैं परंतु एक भारतीय द्वारा विदेश में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग उसकी राष्ट्रीयता को दर्शाता है।

‘हिन्दी सप्ताह’ के दौरान टिप्पण - आलेखन, हिन्दी टंकण (सामान्य), हिन्दी टंकण (सारांश), हिन्दी प्रश्नोत्तरी, राजभाषा बोध, स्व रचित कविता पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं।



हिन्दी प्रश्नोत्तरी में भाग लेते प्रतिभागी

हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह दिनांक 20/09/2018 को हुआ। समारोह में श्री गौतम अरोड़ा, मण्डल रेल प्रबन्धक उ.प. रेलवे, जोधपुर एवं अध्यक्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जोधपुर मुख्य अतिथि रहे।



मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए डॉ. इन्द्र देव आर्य

हिन्दी अधिकारी श्री कैलाश चन्द गुप्ता ने वर्ष 2017-18 की संस्थान की हिन्दी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा हिन्दी सप्ताह-2018 के दौरान हुई गतिविधियों पर प्रकाश डाला।



हिन्दी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संस्थान के हिन्दी अधिकारी

इस अवसर पर स्व रचित कविता पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जिसमें संस्थान कर्मियों ने विविध विषयों पर कविता के द्वारा अपने मनोभावों को व्यक्त किया।

समापन समारोह में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्या ने हिन्दी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ऐसे अवसरों पर संस्थान में सभी को उत्साह पूर्वक सहभागिता करने के महत्व को बताया तथा वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में हो

रही गतिविधियों से आमजन को जोड़ने में सरल हिन्दी के प्रयोग की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया जिसके लिए आपने सभी को प्रेरित किया कि वे अधिकाधिक कार्य मूल रूप से हिन्दी में करें।



वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्य अपने विचार व्यक्त करती हुई

इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. इन्द्र देव आर्य ने बताया की संस्थान में अधिकांश सरकारी कामकाज व वार्तालाप हिन्दी में हो रहा है जिसे स्वप्रेरणा से निरंतर जारी रखे जाने की आवश्यकता है।



समारोह में विचार प्रकट करते हुए संस्थान निदेशक डॉ. इन्द्र देव आर्य

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गौतम अरोड़ा ने संस्थान के कर्मियों की कविताएं सुनकर उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति की प्रशंसा की। आपने संस्थान के राजभाषा

में हो रहे कामकाज को भी सराहा। आपने राजभाषा के नीति -निर्देशों के अनुरूप सरकारी कामकाज में निरंतर हिन्दी के प्रयोग करने को कहा।



सम्बोधन देते हुए मुख्य अतिथि श्री गौतम अरोड़ा

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा 'हिन्दी सप्ताह' के दौरान हुई हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं व हिन्दी में मूल कार्य करने वाले कर्मचारियों को राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार एवं प्रमाण -पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मंच संचालन श्री अजय वशिष्ठ , क. हिन्दी अनुवादक ने किया।



मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए संस्थान निदेशक

आभार व्यक्त करने के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

हिन्दी सप्ताह - 2018 की कुछ झलकियां



















